प्रेमशंकर शर्मा ने संस्कृत में पढ़ी भारत की गौरव गाथा

ऑनलाइन गोष्ठी में मौजूद कविगण। *अमर उजाला*

अलीगढ़। प्रयागराज से अपर जिलाधिकारी के पद से सेवानिवृत्ति लेने वाले पुष्पांजलि कॉलोनी निवासी प्रेम शंकर शर्मा ने शुक्रवार को साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित ऑनलाइन काव्यपाठ में भारत की गौरव गाथा संस्कृत में पढ़ी। उनकी रचना को सुनकर श्रोताओं ने तालियां बजाकर उत्साह वर्धन किया। साथ ही डॉ. मनुलता शर्मा व आचार्य डॉ. वेणी माधव शास्त्री ने भी अपनी रचनाएं पढ़ीं। प्रेम शंकर शर्मा संस्कृत साहित्य सृजन में तत्पर रहते हैं। विज्ञान विषय के विद्यार्थी रहे प्रेम शंकर शर्मा अब संस्कृत का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। कई किताबों के साथ उन्होंने हरिवंश राय बच्चन की मधुशाला का संस्कृत में पद्यानुवाद किया है। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय की साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम जूम एप पर चला। साथ ही इसका प्रसारण यूट्यूब पर भी किया गया है। इस पूरे कार्यक्रम की खास बात रही कि कवियों ने संस्कृत में अपनी रचनाएं पढ़ीं। जिसे सुनकर श्रोताओं ने अपने-अपने तरीके से उत्साहवर्धन किया। संवाद